No. of Printed Pages : 7 **ESO-5/15**

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination
June, 2010

ELECTIVE COURSE : SOCIOLOGY

ESO-5/15 : SOCIETY AND RELIGION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

(Weightage : 70%)

Note : *The question paper has* ***three*** *sections. Attempt the questions as instructed in each section.*

SECTION - I

Answer ***any two*** of the following questions in about ***500*** words each :

1. Describe the functions of pilgrimage. **20**

2. Outline the Christian social organisation with examples. **20**

3. Discuss the social-historical context of the emergence of veershaivism. **20**

4. What do you understand by 'symbols' ? Elaborate its significance to the study of religion. **20**

SECTION - II

Answer *any four* of the following questions in about *250* words each :

5. Examine the contemporary relevance of life cycle rituals. 12

6. Differentiate between sect, cult and denomination. 12

7. Describe the distinguishing features of tribal religions seeking theological complexity. 12

8. Discuss the ideology of the Ramakrishna Mission in the framework of religious reforms in India. 12

9. Compare and contrast bhaktism and sufism. 12

10. Describe the social context of the emergence of Buddhism and Jainism. 12

11. Explain the concept of secularism and its practice in India. 12

12. Outline the role of shamans, priests and prophets in religion. 12

SECTION - III

Answer *any two* of the following questions in about *100* words each :

13. What is religious pluralism ? **6**

14. Explain the concept of fundamentalism. **6**

15. What is the "Mukanda" rite in Ndembu Society ? **6**

16. What do you understand by Civil religion ? **6**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : समाजशास्त्र

ई.एस.ओ.-5/15 : समाज और धर्म

समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का 70%)

नोट : *इस प्रश्न-पत्र के **तीन** भाग हैं। प्रत्येक भाग में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रश्नोत्तर दीजिए।*

भाग - I

*निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।*

1. तीर्थयात्रा के विविध सामाजिक प्रकार्यों का वर्णन कीजिए। 20

2. ईसाई सामाजिक संगठन की उदाहरणों सहित रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए। 20

3. वीरशैववाद के उद्‌भव के सामाजिक-ऐतिहासिक संदर्भ की चर्चा कीजिए। 20

4. ''प्रतीक'' से आप क्या समझते हैं? धर्म के अध्ययन में इसके महत्व पर प्रकाश डालिए। 20

भाग - II

*निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों में होना चाहिए।*

5. जीवन-चक्र अनुष्ठानों की समकालीन प्रासंगिकता का परिक्षण कीजिए। 12

6. मत, पंथ और संप्रदाय के बीच अंतर बताइए। 12

7. धर्मशास्त्रीय जटिलता की माँग करने वाले जनजातीय धर्मों की विशिष्ट विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 12

8. भारत में धार्मिक सुधारों की रूपरेखा में रामकृष्ण मिशन की विचारधारा की चर्चा कीजिए। 12

9. भक्तिवाद और सूफीधर्म की तुलना कीजिए और इनमें अंतर बताइए। 12

10. बौद्धधर्म और जैनधर्म के उद्‌भव के सामाजिक संदर्भ का वर्णन कीजिए। 12

11. धर्मनिरपेक्षवाद की संकल्पना की और भारत में इसके अनुपालन (व्यवहार पद्धति) की स्पष्ट रूप से जानकारी दीजिए। 12

12. धर्म में शामन, पुरोहितों और पैगम्बरों की भूमिका को रेखांकित कीजिए। 12

भाग - III

*निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग **100** शब्दों में होना चाहिए।*

13. धार्मिक बहुलवाद क्या है? **6**

14. मूलतत्ववाद की संकल्पना की जानकारी दीजिए। **6**

15. नदेम्बू समाज में 'मुकुन्दा' नामक धार्मिक विधि क्या है? **6**

16. ''नागरिक धर्म'' से आप क्या समझते हैं? **6**